

54



न्यायालय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर म. प्र.

प्रकरण क्रमांक :-/पीबीआर/आर./ग्वालियर/भू.रा./2018
निगरानी - 3218/2018/ग्वालियर/भू.श.

श्री आशोक आर्जिव लक्ष्मी
द्वारा आज दि. 21-5-18 को
प्रस्तुत। प्रारम्भिक तर्क हेतु
दिनांक 5-6-18 मित।

वका
वकाश ऑफ कोर्ट 21-5-18
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

1- उदयभान सिंह पुत्र श्री सरमन सिंह रावत

मनमोहन सिंह पुत्र श्री उमाचरन सिंह रावत निवासी गण ग्राम घाटमपुर तहसील भितरवार जिला ग्वालियर म. प्र. -आवेदकगण

बनाम

1- म. प्र. शासन द्वारा कलेक्टर ग्वालियर

2- श्रीमती हरकोबाई बेवा रतन सिंह निवासी ग्राम घाटमपुर तहसील भितरवार जिला ग्वालियर म. प्र.

3- श्रीमती बैजन्ती पुत्र स्व. श्री रतन सिंह पत्नी श्री गुलाब सिंह रावत निवासी ग्राम धमधौली तहसील नरवर जिला शिवपुरी म. प्र.

4- श्रीमती भगवानदेवी पुत्र स्व. श्री रतन सिंह पत्नी श्री सुल्तान सिंह रावत निवासी ग्राम धमधौली तहसील नरवर जिला शिवपुरी म. प्र.

5- पानकुंअर पुत्री स्व. श्री रतन सिंह पत्नी जय सिंह रावत निवासी ग्राम इंदरगढ़ तहसील नरवर जिला शिवपुरी म. प्र.

6- सगुना पुत्री स्व. श्री रतन सिंह पत्नी श्री महेन्द्र सिंह रावत निवासी ग्राम ररुआ तहसील डबरा जिला ग्वालियर म. प्र.

7- डाल सिंह पुत्र स्व. श्री रतन सिंह

8- उमाचरन पुत्र स्व. श्री रतन सिंह निवासी गण क्रमांक 7 व 8 ग्राम

आशोक
21/5/18
(आशोक लक्ष्मी)
एड

वकाश ऑफ कोर्ट
आज दि. 21-5-18
पृष्ठ क्र. 21/5/18
दिनांक 21/5/18
हस्ताक्षर व नाम

आशोक

घाटमपुर तहसील भितरवार जिला
ग्वालियर म. प्र. -अनावेदकगण

निगरानी प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 50 म. प्र. भू-राजस्व
संहिता, 1959 विरुद्ध आदेश दिनांक 13/02/2017
न्यायालय तहसीलदार महोदय भितरवार जिला ग्वालियर
प्रकरण क्रमांक 07/2015-16/अ-6 उदयभान आदि
बनाम शासन।

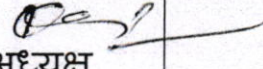


न्यायालय, राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी/3218/2018/ग्वालियर/भू.रा.

[अध्यक्षान्] क्रमांक]

स्थान व दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19.06.2018	<p>आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। तहसीलदार भितरवार जिला ग्वालियर के आदेश दिनांक 13.02.2017 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा आवेदकगण के लिए अपील का अवसर उपलब्ध होने के आधार पर आवेदकगण की ओर से प्रस्तुत मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 32 का आवेदन निरस्त किया गया है, जिसमें हस्तक्षेप का कोई आधार इस निगरानी में नहीं है। फलस्वरूप यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है।</p>	<p> अध्यक्ष</p>